दीपावली की शुभ कामना

जगमग करें हमारा भी अब प्रभु मानस साकेत।
करें आगमन से पावन मन आलय कृपा निकेत।
अगणित तारक मणि से जिसने किया गगन द्युतिमान।
हर सकता है तिमिर अविद्या का कर दूर वितान।

दीपोज्ज्वला धरा भी प्रति कृति बनती नभ की आज।
नवलोत्साह दीप्त हर्षित है आर्यावर्त समाज।
आयुध, अनल, धूम्र, लोहित से जिनको है अनुराग।
विजित, पलायमान असुरों से पूरित हैं दिग्भाग।।

12.11.2023 शिव कुमार मिश्र

कानपुर